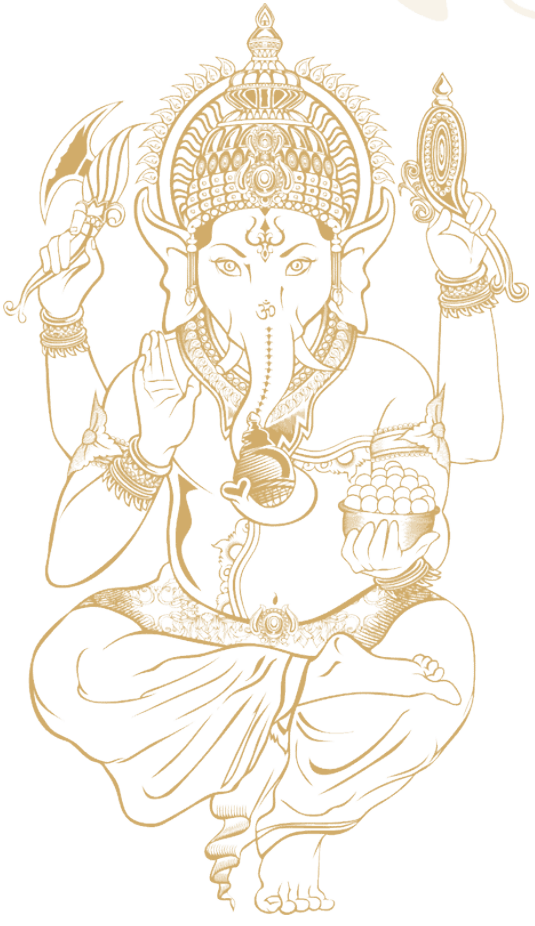

Himanshu Tripathi

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121213802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29-30/08/1991	जन्म तिथि	10/09/1996
गुरु-शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 00:13:00	जन्म समय	21:15:00 घंटे
घटी 46:32:53	जन्म समय(घटी)	38:54:43 घटी
India	देश	India
Azamgarh	स्थान	Azamgarh
26:03:00 उत्तर	अक्षांश	26:03:00 उत्तर
83:10:00 पूर्व	रेखांश	83:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:02:40	स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:35:50	सूर्योदय	05:41:06
18:19:32	सूर्यास्त	18:06:56
23:44:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:42

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 8मा 1दि	00:19:52	मिथु	लग्न	मेष	27:07:24	बुध 1वर्ष 5मा 12दि
चन्द्र	12:11:02	सिंह	सूर्य	सिंह	24:23:19	सूर्य
01/05/2022	04:26:07	मेष	चंद्र	कर्क	28:51:45	22/02/2025
01/05/2032	04:39:05	कन्या	मंगल	कर्क	06:42:12	22/02/2031
चन्द्र 02/03/2023	29:31:59	कर्क व	बुध व	कन्या	07:30:50	सूर्य 11/06/2025
मंगल 01/10/2023	03:21:17	सिंह	गुरु	धनु	14:05:13	चन्द्र 11/12/2025
राहु 01/04/2025	01:22:59	सिंह व	शुक्र	कर्क	09:52:44	मंगल 18/04/2026
गुरु 01/08/2026	07:29:09	मक व	शनि व	मीन	11:23:06	राहु 13/03/2027
शनि 01/03/2028	24:00:25	धनु व	राहु व	कन्या	14:16:03	गुरु 30/12/2027
बुध 31/07/2029	24:00:25	मिथु व	केतु व	मीन	14:16:03	शनि 11/12/2028
केतु 01/03/2030	16:15:56	धनु व	हर्ष व	मक	07:10:40	बुध 17/10/2029
शुक्र 31/10/2031	20:26:34	धनु व	नेप व	मक	01:20:43	केतु 22/02/2030
सूर्य 01/05/2032	24:06:14	तुला	प्लूटो	वृश्चि	06:47:31	शुक्र 22/02/2031

लग्न-चलित

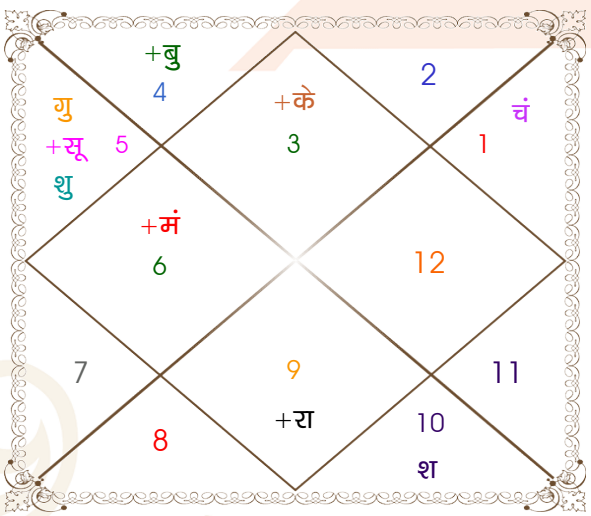

लग्न-चलित

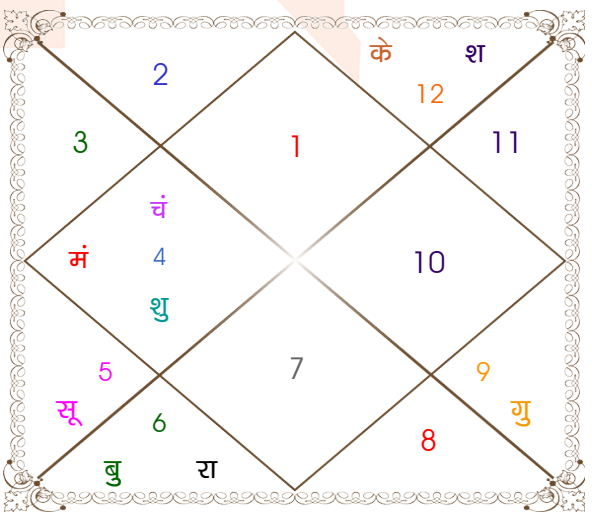

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भ्पउंदीन ज्तपचंजीप का वर्ग सिंह है तथा च्तपलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्पउंदीन ज्तपचंजीप और च्तपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्पउंदीन ज्तपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

च्तपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्तपलं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्तपलं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र च्तपलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्तपलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्पउंदीन ज्तपचंजीप तथा च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।